

(ख) उप नियम (1) को नियम 3 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

3. उक्त नियमों के नियम 3 के बाद, निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किए जाएंगे :—

“3क. शक्तियों का प्रत्यायोजन

- (1) इन नियमों द्वारा केन्द्रीय सरकार को प्रदत्त या उस पर अधिरोपित किसी शक्ति या कर्तव्य का केन्द्रीय सरकार द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा प्रयोग या निर्वहन किया जा सकेगा;
- (2) इन नियमों द्वारा महानिदेशक को प्रदत्त या उस पर अधिरोपित किसी शक्ति या कर्तव्य का महानिदेशक द्वारा या इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोग निर्वहन किया जा सकेगा।
- (3) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट भारत से बाहर के किसी प्राधिकारी द्वारा इन नियमों को नियम 19 या भाग 5 या भाग 6 द्वारा केन्द्रीय सरकार को प्रदत्त या उस पर अधिरोपित किसी शक्ति या कर्तव्य का प्रयोग अथवा निर्वहन भारत में ऐसे प्रभाव रखेगा मानो ऐसी शक्तियों का प्रयोग या कर्तव्यों का निर्वहन इस नियम के उप नियम (1) के अधीन इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा किया गया है।

अख. अपीलें—यदि कोई व्यक्ति किसी अधिकारी द्वारा उसको इन नियमों द्वारा प्रदत्त या नियम 3क के अधीन उसको प्रत्यायोजित किसी शक्ति के प्रयोग में पारित किसी आदेश द्वारा व्यथित है तो वह किन्हीं आदेश की तीसरे के 60 दिनों के भीतर समस्त उच्चतर अधिकारी को अपील कर सकेगा।”

4. उक्त नियमों के नियम 133 क में “सिविल उड़ान-योग्यता अपेक्षाएं” शब्दों के स्थान पर “सिविल विमानन अपेक्षाएं” शब्द रखे जाएंगे।

[फाइल संख्या ए. वी. 11012/3/92-प्र]

पी. के. बनर्जी, संयुक्त सचिव

पाद-टिप्पणी:—मूल नियम दिनांक 27 मार्च, 1937 को भारत के राजपत्र के भाग I में, अधिसूचना संख्या वी-26; दिनांक 23 मार्च, 1937 के द्वारा प्रकाशित किये गये थे और बाद में निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :—

- (1) जी.एस.आर. 1238 दिनांक 8 सितम्बर, 1962;
- (2) जी.एस.आर. 711 दिनांक 3 मई, 1965;  
और
- (3) जी.एस.आर. 1202 दिनांक 23 जुलाई, 1976।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

(Department of Civil Aviation)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 1993

G.S.R. 80(E).—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 1992 was published as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), at pages 1219-1220 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 11th July, 1992 in the notification of the Ministry of Civil Aviation and Tourism GSR 323, dated the 19th June, 1992 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on 25th August, 1992.

And whereas no objection or suggestion was received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby make the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (First Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3 :

- (a) sub-rules (1), (2A) and (3) shall be omitted;
- (b) sub-rule (1) shall be renumbered as rule 3.

3. After rule 3 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“3A. Delegation of Powers.—(1) Any power or duty conferred or imposed by these rules on the Central Government may be exercised or discharged by the Central Government or by any person authorised by it in that behalf;

(2) Any power or duty conferred or imposed by these rules on the Director General may be exercised or discharged by the Director General or by any other person authorised by the Central Government in that behalf;

(3) The exercise or discharge of any power or duty conferred or imposed by rule 19 or part V or part VI of these rules in the Central Government by an authority outside India specified by the Central Government in that behalf, shall have effect in India as though the powers have been exercised or the duty discharged by a person authorised in this behalf under sub-rule (1) of this rule.

3B. Appeals.—If any person is aggrieved by an order passed by an officer in exercise of a power conferred on him by these rules or delegated to him under rule 3A, he may prefer an appeal to the next higher officer within sixty days of the date of the order.”

4. In rule 133A of the said rules, for the words “Civil Airworthiness Requirements”, the words “Civil Aviation Requirements”, shall be substituted.

[F. No. AV. 11012/3/92-A]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

FOOT NOTE.—The Principal Rules were published vide notification No. V-26, dated the 23rd March, 1937 in the Gazette of India, Part I, dated the 27th March, 1937, and were subsequently amended vide Gazette notification No. :—

- (1) GSR 1238, dated the 8th September, 1962;
- (2) GSR 711, dated the 3rd May, 1965; and
- (3) GSR 1202, dated the 23rd July, 1976.



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 61]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 22, 1993/फाल्गुन 3, 1914

No. 61]

NEW DELHI, MONDAY

FEBRUARY 22, 1993/PHALGUNA 3, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय  
(नागर विमानन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1993

सा.का.नि. 80(अ). —जबकि वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय की दिनांक 19 जून, 1992 की अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 323 के तहत, वायुयान (संशोधन) नियम, 1992 का प्रारूप, दिनांक 11 जुलाई, 1992 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) के पृष्ठ 1219--1220 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से आपत्ति और सुझाव मांगे गए थे;

और जबकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 25 अगस्त, 1992 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और जबकि जनता से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को वायुयान (प्रथम संशोधन) नियम, 1993 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 (जिन्हें इससे आगे उक्त नियम कहा जाएगा) के नियम 3 में;

(क) उप नियम (2), (2क) और (3) छोड़ दिये जाएंगे;